प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

एक बार फिर पन्तनगर विश्वविद्यालय ने जमायी अपनी धाक

पन्तनगर। 12 अगस्त 2024। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में बदलते जलवायु के अनुकूल टिकाऊ खेती के लिये 34 विभिन्न फसलों तथा 27 बागवानी फसलों की कुल 109 प्रजातियों को जारी किया। इन प्रजातियों में देश के प्रथम कृषि पन्तनगर विश्वविद्यालय द्वारा विकसित दलहनों की 3 प्रजातियों क्रमशः पन्त चना 10, पन्त मसूर 14 एवं पन्त मटर 484 तथा चारे की सी.एस.वी. 57एफ. प्रजाति को जारी किया गया। विश्वविद्यालय की इन प्रजातियों को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा उगाये जाने हेतु जारी किये जाने पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा हर्ष व्यक्त करते हुए इन प्रजातियों को विकसित करने वाले वैज्ञानिकों को बधाई दी साथ ही उन्होंने वैज्ञानिकों से किसानों (विशेषकर छोटे एवं सीमान्त किसानों) की सकल आय बढ़ाने के लिये उनके उपयुक्त प्रजातियों एवं उनकी उत्पादन तकनीकों को विकसित करने का आहवान किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न दलहनों की एक से बढ़कर एक 65 से अधिक प्रजातियों को विकसित कर इनकी उच्च गुणवत्ता की बीज किसानों को उपलब्ध कराये जा चुके है, जिससे देश का दलहन उत्पादन ना केवल रिकार्ड 26 मिलियन टन तक बढ़ गया है बल्कि इसमें एक स्थायित्व भी आया है, जिस कारण दालों की कीमतों में एक ठहराव बना हुआ है। अभी विगत वर्ष ही इस विश्वविद्यालय द्वारा रबी दलहनों की 7 अधिक पैदावर देने वाली प्रजातियों को विकसित कर किसानों को समर्पित किया गया है। हरे चारे की प्रजाति सी.एस.वी. 57एफ. में ना केवल चारे की अधिक पैदावार है बल्कि यह पोषण से युक्त आसानी से पचने वाली प्रजाति है। इससे पूर्व भी विश्वविद्यालय द्वारा चारा ज्वार की प्रजाति सी.एस.एच. 24एम.एफ. किसानों के बीच काफी लोकप्रिय हुयी। विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डा. ए.एस. नैन द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में इन सभी प्रजातियों का वृहद स्तर पर बीज पैदा कराया जा रहा है तथा आने वाले समय में किसानों को उपलब्ध कराया जायेगा।

1. पन्त मसूर

निदेशक संचार